

बिहार सरकार
जल संसाधन विभाग
(सूचना का अधिकार कोषांग)
पत्र सं.- 09/17 (विविध)

प्रेषक,

अरविन्द कुमार सिंह,
लोक सूचना पदाधिकारी।

सेवा में,

सभी मुख्य अधियंता-सह-
प्रथम अपीलीय प्राधिकार,
जल संसाधन विभाग, बिहार।

दिनांक-

विषय :- "जानकारी परियोजना" के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन जमा करने संबंधी UAT पर मतव्य उपलब्ध कराने वाले के संबंध में।

प्रसंग :- सामान्य प्रशासन विभाग, बिहार, पटना का पत्रांक 4377 दिनांक 28.04.20 एवं पत्रांक- 3670 (अनु.),
दिनांक- 13.03.2020.

महाशय,

निदेशानुसार उपर्युक्त विषयक प्रासंगिक पत्र की छाया प्रति संलग्न करते हुए कहना है कि "जानकारी परियोजना" के माध्यम से ऑनलाई आवेदन जमा करने संबंधी UAT पर मतव्य उपलब्ध कराने का निदेश है।

अतः अनुरोध है कि "जानकारी परियोजना" के माध्यम से ऑनलाई आवेदन जमा करने संबंधी UAT पर अपने अधीनस्थ लोक सूचना प्राधिकारों से मतव्य प्राप्त कर अधोहस्ताक्षरी को अविलंब मतव्य प्रतिवेदन उपलब्ध कराने की कृपा की जाय।

कृपया इसे उच्च प्राथमिकता दी जाय।

अनु.-यथोक्त।

विश्वासभाजन

ह0/-

(अरविन्द कुमार सिंह)
लोक सूचना पदाधिकारी,
जल संसाधन विभाग, पटना।

जापांक-

दिनांक-

प्रतिलिपि- अपर सचिव-सह-प्रथम अपीलीय प्राधिकार, जल संसाधन विभाग, पटना को सूचनार्थ समर्पित।

ह0/-

(अरविन्द कुमार सिंह)
लोक सूचना पदाधिकारी,
जल संसाधन विभाग, पटना।

जापांक- 195

दिनांक- 08.05.20

प्रतिलिपि- आई.टी. मैनेजर, जल संसाधन विभाग, पटना को विभागीय वेबसाइट पर प्रकाशित करने हेतु प्रेषित।


(अरविन्द कुमार सिंह)
लोक सूचना पदाधिकारी,
जल संसाधन विभाग, पटना।

Received through mail, Date - 30.04.90

1

पंत्रांक-21 / रा.ए.आ।-०८ / २०१३, सा.प्र. ४३७७ /
बिहार सरकार
रामान्य प्रशासन विभाग

३५४

हिमांशु कुमार राय, मा.प.र.
सरकारी के अपर संचिव।

संख्या ५

रामी अपर मुख्य संघिव / प्रधान संचिव / संघिव /
रामी दिपागाल्यक्ष / सगी प्रमाणलीय आयुक्ता /
रामी जिला पदाधिकारी।

दिनांक- २५४१०८

विषय-

‘जानकारी परियोजना’ के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन जमा करने संबंधी UAT या भवित्व उपलब्ध कराने के संबंध में।

માનુષિક

प्रबंध निदेशक, बैल्ट्रोन का पत्रांक-425/2020 दिनांक-23.01.2020 एवं विभागीय पत्रांक-3670 दिनांक-13.03.2020 तथा पत्रांक-4065 दिनांक-20.03.2020

५८४

निर्देशानुसार उपर्युक्त विभूतिक प्रारंभिक पत्रों की ओर भवदीय का ध्यान आकर्षित हो सकता है। इसके अलावा इन पत्रों के अध्ययन से उनके लिए अच्छी ज्ञानीय विद्या का अभियान लगाया जा सकता है। इन पत्रों के अध्ययन से उनके लिए अच्छी ज्ञानीय विद्या का अभियान लगाया जा सकता है।

अतः अनुसूचि है कि “जानकारी परियोजना” के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन जारी करने संबंधी UAT पर आपने अधीनस्थ नीक शूलना प्राधिकारों को अधिलाभ मतव्य सफलता के साथ विद्युतित करने की कृपा की जाय।

कृपया इसे प्राथमिकता दी जाय।

Digitized by srujanika@gmail.com

14-
1938

(हिमांशु कुमार राय)

पत्रांक—21 / रा.सू.आ.—08/2013, सा.प्र. 3670,
बिहार सरकार
सामान्य प्रशासन विभाग

(6)

प्रेषक,

शिवमहादेव प्रसाद,
सरकार के अवर सचिव।

सेवा में

सभी अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव/
सभी विभागाध्यक्ष/सभी प्रमण्डलीय आयुक्त/
सभी जिला प्राधिकारी।

दिनांक—13-3-2020

विषय— “जानकारी परियोजना” के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन जमा करने संबंधी UAT पर मंतव्य उपलब्ध कराने के संबंध में।

प्रसंग— प्रबंध निदेशक, बेल्ट्रॉन का पत्रांक—425/2020 दिनांक—23.01.2020

महाशय,

निदेशानुसार उपर्युक्त विषयक प्रासंगिक पत्र के साथ UAT की प्रति संलग्न करते हुए कहना है कि “जानकारी परियोजना” के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन जमा करने संबंधी UAT पर अपने अधीनस्थ लोक सूचना प्राधिकारों को अविलम्ब मंतव्य उपलब्ध कराने हेतु निदेशित करने की कृपा की जाय।

अनु— यथोक्त।

विश्वासभाजन

(शिवमहादेव प्रसाद)

सरकार के अवर सचिव।

ज्ञापांक—21 / रा.सू.आ.—08/2013, सा.प्र. 3670 / पटना—15, दिनांक 13-3-2020

प्रतिलिपि—प्रबंध निदेशक, बिहार स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, बेल्ट्रॉन भवन, शास्त्रीनगर, पटना—23/आई.टी. प्रबंधक, सामान्य प्रशासन विभाग, बिहार, पटना को सूचना एवं आवश्यक कार्यार्थ हेतु प्रेषित।

(2) 13-3-2020
सरकार के अवर सचिव।

BIHAR STATE ELECTRONICS DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED

IN-U31900BR1978SGC001317

Re. No. 425/2020

(A Govt. of Bihar Undertaking)

Date. 23/01/2020



To,

Additional Secretary,
General Administration Department,
Bihar, Patna

Sub: Testing & UAT of Jaankari Application

Sir,

This is to state that development of Jaankari Application has been completed by agency M/s CSM technologies. Integration with OGRAS has also been done and it is ready to be tested at departments level. The login Credentials of the application for testing purpose are given below:

URL : <http://164.164.122.169:8090/JWPortal>
User ID : JankariAdmin
Password : admin@123

It is requested to direct the concerned persons to go through the application and review & test the site regeously and accordingly accord approval on User Acceptance Test with suggestions (if any). As application may be launched only after issuance of UAT, so direct the officer concerned to test the application at the earliest.

Yours Sincerely,

(Rahul Singh)
Managing Director

168
29/01/20

User Acceptance Testing (UAT)

Last Updated: May 3, 2018

Definition - What does User Acceptance Testing (UAT) mean?

User acceptance testing (UAT) is the last phase of the software testing process. During UAT, actual software users test the software to make sure it can handle required tasks in real-world scenarios, according to specifications.

UAT is one of the final and most critical software project procedures that must occur before newly developed software is rolled out to the market.

UAT is also known as beta testing, application testing or end user testing.

Free Techopedia White Paper | The Ultimate Guide to Applying AI in Business > Download Now
(https://techopedia.tradepub.com/c/pubRD.mpl?secure=1&sr=pp&t=pp&qf=w_techn01&ch=termad)

Techopedia explains User Acceptance Testing (UAT)

UAT directly involves the intended users of the software. UAT can be implemented by making software available for a free beta trial on the internet or through an in-house testing team comprised of actual software users.

The following are the steps involved in In-house UAT:

- Planning: The UAT strategy is outlined during the planning step.
- Designing test cases: Test cases are designed to cover all the functional scenarios of the software in real-world usage. They are designed in a simple language and manner to make the test process easier for the testers.
- Selection of testing team: The testing team is comprised of real-world end users.
- Executing test cases and documenting: The testing team executes the designated test cases. Sometimes it also executes some relevant random tests. All bugs are logged in a testing document with relevant comments.
- Bug fixing: Responding to the bugs found by the testing team, the software development team makes final adjustments to the code to make the software bug free.
- Sign-off: When all bugs have been fixed, the testing team indicates acceptance of the software application. This shows that the application meets user requirements and is ready to be rolled out in the market.

UAT is important because it helps demonstrate that required business functions are operating in a manner suited to real-world circumstances and usage.